

---

Shri Shesha Stotram

श्रीशेषस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : Shri Shesha Stotram

File name : sheShastotram.itx

Category : vishhnu, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Manish Gavkar

Latest update : September 24, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 24, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशेषस्तोत्रम्



रसात्मा परात्मा पुरुषोत्तमो यो  
निजोत्तारणायैव नारायणाय ।  
महामन्त्रराजं प्रपेदे यतोऽयं  
तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ १ ॥

सहस्राननैर्वाक्सहस्रद्वयेन  
सदा कीर्तयन्तं हरेः कीर्तिमेव ।  
गृणन्तं श्रुतिभ्यो मतं भक्तिकाण्डं  
तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ २ ॥

विरिञ्चेः कुमारान्प्रति प्राह पूर्वं  
नृपं चित्रकेतुं प्रति प्रीतिपूर्वम् ।  
हरेर्भक्तिशास्त्रं मनुर्यश्च मह्यं  
तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ३ ॥

सदा योगिनो भोगिनो यं भजन्ते  
यथायोगमेषां ददात्यर्थसिद्धिम् ।  
समृद्धिं करोति प्रियस्यैव विष्णो-  
स्तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ४ ॥

त्रयीयोगवाग्यो गवां चाप्रकाशो  
हरेर्भक्तियोगस्य वक्ता गुणानाम् ।  
समस्तैर्नुतो योगिभिर्योगगम्य-  
स्तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ५ ॥

अनन्तो हरेर्वल्लभामुत्तमाङ्गे  
अनन्ताङ्घ्रिजामापगां यश्च धत्ते ।  
अनन्तस्ततोऽनन्तदेवाश्रयो य-  
स्तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ६ ॥

अशेषे विलीने लये शिष्यते यः  
सुपर्यङ्कतां याति संवर्तसिन्धौ ।  
मुरारेः प्रियाणामुपज्ञं गुरूणां  
तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ७ ॥

यतो वासुदेवेऽभिप्रद्युम्नमन्तः  
समाकर्षयच्चानिरुद्धं निरोधुम् ।  
ततश्चाख्यया याति सङ्कर्षणो य-  
स्तमीशं फणीशं गुरुं शेषमीडे ॥ ८ ॥

भुजङ्गाङ्गिनो गीर्गिरीशेन गीता  
भुजङ्गाङ्गपर्यङ्कभाजः प्रियस्य ।  
भुजङ्गप्रियस्य प्रियायैव भूयाद्  
भुजङ्गप्रयाता भुजङ्गप्रयातैः ॥ ९ ॥

(२०-२८)

इति श्रीशाण्डिल्यसंहितायां पञ्चमे भक्तिखण्डे चतुर्थांशे  
एकादशोऽध्याये श्रीशेषस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Manish Gavkar

---

—  
*Shri Shesha Stotram*

pdf was typeset on September 24, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

